

tet wird. Suçr. 2, 190, 6. 194, 14. 16. Ausfluss, starker Fluss: नासा<sup>०</sup> 2, 370, 10. — 2) <sup>०</sup>कल्पे eine Art Seihe VJUTP. 211.

परिस्त्रावण (vom caus. von स्त्रु mit परि) n. Seihe, Durchschlag VJUTP. 209.

परिस्त्राविन् (von स्त्रु mit परि) fließend: 1) m. (sc. भगंदर) eine best. Form der Mastdarmstiel Suçr. 1, 265, 5. 266, 7. — 2) n. (sc. उदर) eine unheilbare Form von Anschwellung des Unterleibes Suçr. 1, 276, 14. 2, 86, 5. 90, 3. 7.

परिस्त्रुत् (wie eben) 1) adj. umfluthend, überfluthend, schäumend, gährend: वामापः परिस्त्रुतः परि पत्ति R. V. 8, 39, 10. पुनाति ते परिस्त्रुतं सोमं नूर्यस्य इक्षिता 9, 1, 6. 68, 1. VS. 2, 34. 19, 75. — 2) f. ein best. gegohrenes (berauschendes) Getränk, das aus Kräutern bereitet wird, AK. 2, 10. 39. H. 902. HAL. 2, 175. एमो परिस्त्रुतः कुम्भे अत्र दध्निः कलशैरिगुः AV. 3, 12, 7. दधिं मन्यं परिस्त्रुतम् 20, 127, 9. VS. 19, 15. 20, 59. 21, 29. केशवात्पुरुपात्सोमेन परिस्त्रुतं क्रीणाति, नैष सोमो न सुरा यत्परिस्त्रुत् ÇAT. BR. 5, 1, 3. 14. 5, 4. 10. 12, 9, 4. 1. 11, 5, 5. 13. 12, 7, 4. 7. 8, 3, 15. KĀTJ. ÇR. 14, 1, 14. 15, 10, 11.

परिस्त्रुत (wie eben) 1) adj. s. u. स्त्रु mit परि. — 2) f. आ ein best. berauschesendes Getränk (vgl. परिस्त्रुत् AK. 2, 10, 40. H. 902. MĀD. t. 208. HAL. 2, 174.

परिस्त्रुन्मत् adj. mit Parisrut versehen ÇAT. BR. 12, 8, 2, 15.

परिस्वार (von स्वर mit परि) m. eine best. Sangfigur: कौञ्चे (स्वारे) परिस्वारः (मध्ये निधनं भवति Comm.) LĀTJ. 7, 8, 8.

परिस्वण n. nom. act. von हन् mit परि P. 8, 4, 22, Sch.

परिस्नु (प + ह्नु) gaṇa परिस्नुादि zu P. 4, 3, 58, VĀRTT. 1. — Vgl. परिस्नव्य.

परिस्नुत् nom. act. von हन् mit परि; s. डृप्.

परिस्तर s. u. परिकार.

परिस्तरक s. परिकारक.

परिस्तरण (von ह्नु mit परि) n. 1) das Herumbewegen, — tragen, — legen: भाग<sup>०</sup> KĀTJ. ÇR. 2, 2, 3. वसतीवरी<sup>०</sup> 12, 4, 2. 14, 1, 13. LĀTJ. 5, 12, 5. योक्त<sup>०</sup> KĀTJ. ÇR. 8, 6, 2. — 2) das Vermeiden: चाण्डालप्रतिग्रहपरिस्तरणाय VP. bei Muir, Sanskrit Texts I, 86, N. 58.

परिस्तरणीय (wie eben) adj. zu vermeiden: तेदते दर्शनपथाद्<sup>०</sup> ष्याः PRAB. 21, 3 (v. l. संदर्शनादपि). हरे<sup>०</sup> षमस्य दर्शनम् 46, 5. ÇĀK. 30, 9.

परिस्तरव्य (wie eben) adj. 1) zu vermeiden, dem man entgehen muss, dessen man sich zu enthalten hat NĪA. 3, 2. दुर्जनः Spr. 1180. R. 2, 91, 7. तच्च मे परिस्तरव्यं ततो राम विशेषतः R. 5, 94, 9. वञ्चना परिस्तरव्या वज्रुदाया हि शर्वरी MĀKĪ. 20, 3. वैकृत्यम् R. 5, 85, 22. अद्यापारः प्राज्ञैः PĀNĪAT. ed. orn. 6, 9. यदेव परिस्तरव्यं तेदेवादाकरति मूर्खः so v. a. was er gerade nicht ausplaudern soll MĀKĪ. 14, 3. — 2) mit dem Parihāra (s. परिकार 6.) auszuführen (vgl. परिहार्य) Schol. zu AV. PRĀT. 4, 118. 126.

परिस्तर्यण (vom caus. von ह्यु mit परि<sup>०</sup>) adj. f. ई in hohem Grade erfreuend: स्वसैन्य<sup>०</sup> MBh. 9, 582.

परिस्त्रव (von ऊ = ह्वा mit परि) m. etwa das Beschreiben, Berufen AV. 19, 8, 4.

परिस्त्रवत् (प + ह्नु) gaṇa निरुदकादि zu P. 6, 2, 184. m. Handring, ein um die Hand gelegtes Amulet, welches die Geburt sichern soll, AV.

6, 81, 1. figg.

परिस्त्रवक (प + ह्नु) n. ein Arm- oder Beinring VJUTP. 139. du. MBh. 1, 2956. 4, 453. 582. — Vgl. परिकारक.

परिस्त्राण (von ह्वा, जहाति mit परि) n. das Erleiden einer Einbusse, das zu-kurz-Kommen: देवतानामपरिस्त्राणाय ÇĀKĪ. BR. 4, 14. 16, 3.

परिस्त्राणि (wie eben) f. Abnahme UĠĠVAL. zu UṆĀDIS. 4, 51. VJUTP. 165. Suçr. 1, 129, 6. 11. यत्प्रणाङ्गपरिस्त्राणि: RAĞH. ed. Calc. 19, 50. यत्प्रणापि परिस्त्रानि: ed. St. तेजःपरिस्त्रानि VARĀH. BRH. S. 46, 24 (22). विद्याकीर्तयोः परिस्त्रानि: 104, 45.

परिस्त्रानि s. u. परिस्त्राणि.

परिस्त्रार (von ह्नु mit परि) m. 1) das Herumführen KĀTJ. ÇR. 18, 5, 18. — 2) das Vermeiden, Entgehen, im-Stich-Lassen, Aufgeben; = वर्जन P. 8, 1, 5, Sch. नाम्नाम् ÇAT. BR. 13, 8, 1, 16. सुखं वा यदि वा दुःखं भूतानां पर्युपस्थितम् । प्राप्तव्यमवशैः सर्वं परिकारो न विद्यते ॥ MBh. 12, 848. न चात्र परिकारो ऽस्ति कालस्पृष्टस्य कस्यचित् 8305. शापस्य HARIV. 577. Suçr. 2, 75, 17. 158, 15. दुर्वृत्तस्य प्रभोरन्यत्परिकारान्न भेषजम् RĪĠA-TAR. 4, 674. नायं परिकारकालः dies ist nicht der Augenblick, mich im Stich zu lassen VIKR. 32, 15. कृतो ऽत्र परिकारश्च पूर्वमेव भुङ्गम । धातृणां तव सर्वेषाम् MBh. 1, 1577. Gegens. प्राप्ति und समागम ÇĀKĪ. zu BRH. ĀR. UP. S. 4. क्लिप्ता-हितप्राप्तिपरिकार<sup>०</sup> KULL. zu M. 1, 97. प्रियसमागमाप्रियपरिकार<sup>०</sup> GAUDAP. zu SĀMĪHJAK. 1. पुण्यलोकाभाव<sup>०</sup> KULL. zu M. 9, 106. 11, 30. परी<sup>०</sup> Suçr. 2, 231, 9. 412, 15. 443, 10. KULL. zu M. 3, 106. विरोधपरिकार die Aufhebung eines Widerspruchs VEDĀNTAS. (Allāh.) No. 103. MADBUS. in Ind. St. 1, 19, 5 v. u. Schol. zu VĪSĀVAD. S. 16. 17. — 3) Zurückhaltung, Uebergehung, Verheimlichung: परिकारेण तद्ब्रूयाद्यस्तेषां स्याद्यतिक्रमः so v. a. nicht gerade heraus MBh. 13, 5116. कथमिदानीमात्मानं निवेदयामि कथं वात्मपरिकारं (वात्मनः परिकारं ÇĀK. CH. 18, 8) करोमि soll ich mich zu erkennen geben oder meinen Stand verheimlichen? ÇĀK. (ed. MON. WILL.) 39, 9, v. l. रत्नादिलक्षणे कीटानुवेधादिपरिकारवत् das Uebergehen, Nichterwähnen SĪH. D. 3, 18. — 4) ausserordentliche Verwilligung, Erlassung von Abgaben, Ertheilung von Privilegien, Immunität: त्रिविधा संयुज्ये देवान्ब्राह्मणांश्चैव धार्मिकान् । प्रदद्यात्परिकारांश्च ख्याययेद्भवानि च ॥ M. 7, 201. चतुरो वार्षिकान्मासान्यथा शक्नो ऽभिवर्षति । परिकारैस्तथा राष्ट्रमभिवर्षेज्जनाधिपः ॥ R. GORR. 2, 122, 18. MĀKĪ. P. 27, 22. तेषां (विश्यानां) गुप्तिपरीकारैः कञ्चित् धारणा कृता R. GORR. 2, 109, 25. इत्युच्येते मते तेषां स एव परिकारदः । खण्डयन्वीतघृणातामग्रहारदिकर्मभिः ॥ RĪĠA-TAR. 1, 313. — 5) ein rings um ein Dorf oder um eine Stadt abgegrenztes Gebiet, das als Gemeingut betrachtet wird: धनुःशतं परिकारो ग्रामस्य स्यात्समस्ततः । शम्यापातास्त्रयो वापि त्रिगुणो नगरस्य तु ॥ M. 8, 237. परिकारस्वान dass. KULL. zu M. 8, 238. 239. परिकारस्ये तेत्रे ders. zu 240. Statt dessen परीपाह् bei JĀĠN. — 6) in der Gramm. so v. a. परिग्रह 20: पदानां चर्चापरिकारयोः समापतिः AV. PRĀT. 4, 74. 117. — 7) Verachtung, Geringachtung ÇĀBDAR. im ÇKDA. परी<sup>०</sup> ebend. — 8) Entgegnung VJUTP. 109. 153. — Vgl. निष्परिकार.

परिकारक (v. l. परिकारक) ein ganzer Armring VJUTP. 134. — Vgl. परिस्त्रवत्.

परिकारवत् (von परिकार) adj. was vermieden werden kann: मृत्युञ्जा-परिकारवान् MBh. 12, 10989.